शुक्रवार

18 अक्टूबर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 248
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

गंगा घाट पर मांस खाने पर बवाल, खोखा स्वामी को पीटा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भूपतवाला में एक खोखे में नॉनवेज पकाने का आरोप लगाते हुए तीर्थ पुरोहित समाज के लोगों ने खोखा स्वामी की पिटाई कर दी। बीच बचाव में आए एक सिक्योरिटी गार्ड पर भी डंडे बरसाएं गये। वहीं मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने खोखा स्वामी को हिरासत में लेकर पुलिस एक्ट के तहत चालान कर दिया है। जानकारी के अनुसार हरिद्वार-ऋषिकेश राजमार्ग पर सर्वानंद गंगा घाट के सामने एक खोखे में नॉनवेज बनाने की जानकारी किसी ने तीर्थ पुरोहित समाज से जुड़े लोगों को दी। जिसके बाद तीर्थ पुरोहित एकत्र होकर मौके पर पहुंचे और उन्होंने नॉनवेज मिलने पर खोखा स्वामी की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान हो-हल्ला सुनकर बीच बचाव करने पहुंचे बिजली घर के सिक्योरिटी गार्ड को भी पीट दिया गया जिस पर सिक्योरिटी गार्ड ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

युवती से किया दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। केशवपुरी बस्ती निवासी युवती ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पिछले 5 वर्षों से एक व्यक्ति प्रदीप कुमार पुत्र बिट्टू सैनी निवासी केशवपुरी, डोईवाला बस्ती, देहरादून से जानपहचान थी, जो कि हाल में बैंगलौर रह रहा था बातचीत में ही उक्त व्यक्ति ने उससे कहा कि वह उसके पास आ रहा है और दोनों देहरादून, चलते हैं जबकि वह नोएडा में काम कर रही थी। वह उसके साथ 27 जुलाई 2024 को समय लगभग रात्रि साढे आठ बजे देहरादून आ गये। रात काफी हो चुकी थी तो उसने कहा कि वह घर चलते हैं लेकिन उक्त व्यक्ति उससे कहने लगा कि यहीं होटल में कमरा लेकर कर आज रह लेते हैं और कल घर चलगें, वह उक्त व्यक्ति की बातों में आ गयी और उसके साथ होटल में चली गई लेकिन उक्त व्यक्ति ने होटल में उसके साथ जबरदस्ती ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

यूसीसी का काउंटडाउन शुरू

समिति ने रूलिंग बुक सीएम को सौंपी

●विधिक परीक्षण व कैबिनेट मंजूरी की औपचारिकता शेष
●उत्तराखंड बनेगा यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता शीघ्र लागू होने जा रही है। यूसीसी की नियमावली तैयार करने वाली समिति द्वारा आज इसकी रूलिंग बुक और मैन्युअल बुक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंप दी गई है। दो हिस्सों में तैयार की गई इस रिपोर्ट में 400 पेज है।

मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि अब इसे विधिक परीक्षण के लिए विधि विभाग को भेजा जाएगा तथा इसके बाद इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। इन दोनों ही चरणों की औपचारिकता पूरी होते ही उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता कानून लागू हो जाएगा तथा उत्तराखंड देश का यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन जाएगा।

मुख्यमंत्री आज हालांकि इस सवाल का स्पष्ट जवाब देने से बचते दिखे कि क्या राज्य स्थापना दिवस (9 नवंबर) पर यह कानून लागू हो जाएगा उनका कहना है कि बहुत जल्द इसे लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2022 के विधानसभा चुनाव के अंतिम दौर में यूसीसी लाने की बात कही गई थी लेकिन तभी से इसे एक चुनावी शगुफा ही समझा जा रहा था। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के कुछ दिन बाद 27 मई को सेवानिवृत्ति जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय समिति का एक मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपीं गई थी। लगभग ढाई साल की कड़ी मेहनत के बाद अब यह मुहिम अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचने वाली है। सरकार इसका विधेयक विधानसभा से पारित कर चुकी है तथा 11 मार्च को राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू भी इस पर सहमति की मोहर लगा चुकी है। अब बस यह देखना है शेष है कि राज्य में यूसीसी 9 नवंबर से लागू होता है या इसके बाद भी कुछ और इंतजार करना होगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

नफरत व हिंसा की आग

वर्तमान दौर की राजनीति और समाज में किस तरह से नफरत और असहिष्णुता का भाव पनप रहा है वह किसी भी सूरत में राष्ट्रीय एकता और अखंडता तथा आपसी भाईचारे के लिए शुभ संकेत नहीं है। सबसे अधिक चिंताजनक बात यह है कि सत्ता का ध्येय सिर्फ येन केन प्राकरेण सिर्फ सत्ता में बने रहने तक सीमित रहा है और इसे रोकने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। मणिपुर लंबे समय से हिंसा की आग में जल रहा है। सरकार इसे रोकने में नाकाम रही है। अभी महाराष्ट्र में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को गोलियों से भून दिया गया जबकि उनके पास सुरक्षा थी। उत्तर प्रदेश के बहराइच और झारखंड के गढ़वा में शोभा यात्राओं पर पत्थरबाजी, हिंसा और आगजनी की घटनाएं इस बात का सबूत है कि समाज में असंतोष और नफरत की आग लगातार उग्र रूप लेती जा रही है। इससे पहले हरियाणा के नूहू सहित अन्य तमाम स्थानों पर सांप्रदायिक तनाव और टकराव की खतरनाक स्थितियां देखी जा चुकी है। जिसे लेकर समाज में भय और असुरक्षा का माहौल देखा जा रहा है। बात चाहे खाद्य पदार्थों में थूक कर या उनमें मूत्र मिलकर परोसे जाने की हो या फिर लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे शब्दों को तरासते और तलाशने की। नेताओं के उन उकसाऊ और भड़काऊ बयान की जो समाज में इस नफरत और हिंसा की आग को हवा देते रहे हैं उसके पीछे राजनीतिक दल और नेता ही सबसे अधिक आगे दिखाई देते हैं। बहराइच में हुई हिंसा व आगजनी पर विपक्ष के नेताओं द्वारा साफ तौर पर यह कहा जा रहा है कि इसके पीछे उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों के लिए होने वाले उप चुनाव हैं। जिसके लिए ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है। अगर देश की राजनीति समाज को हिंसा और नफरत की आग में झोंकने का काम कर रही है तो इससे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात क्या कोई हो सकती है। सत्ता और राजनीति का उद्देश्य समाज की सुरक्षा का होता है। समाज को डराने या लड़ाने का नहीं। वर्तमान समय में जो देखा जा रहा है या हो रहा है वह किसी भी राजनीतिक दल के हित में नहीं हो सकता है। भले ही उन्हें इसका कोई तात्कालिक लाभ मिल भी जाए लेकिन इसके दीर्घकालीन नुकसान से नहीं बचा जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा और शांति के बिना विकास की कोई बात नहीं सोची जा सकती है। इस मामले में एक और खास बात यह है कि नफरत का यह परिवेश कोई एक-दो दिन में तैयार नहीं हुआ है। लंबे समय से यह आग सुलग रही है जो अब धीरे-धीरे प्रचंड रूप लेती जा रही है। सत्ता में बैठे लोग जिन पर समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी है उन्हें इस मुद्दे पर गहन चिंतन मंथन की जरूरत है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भी इसी देश व समाज का हिस्सा है। 'लगेगी आग तो जद में आयेगें तमाम लोग, इस मोहल्ले में अकेला हमारा मकान थोड़े है,। नफरत और हिंसा से किसी जाति समुदाय संप्रदाय या राजनीतिक का भला नहीं हो सकता है। समाज और राष्ट्र की बात तो दूर की बात है। इसलिए एक नागरिक से लेकर हर राजनीतिक दल और नेता की जिम्मेवारी है कि वह इस नफरत की आग को बुझाने के लिए आगे आए।

वयोवृद्ध राज्य आंदोलनकारी बबर गुरुंग को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता

देहरादून। राज्य आंदोलनकारी वयोवृद्ध बबर गुरूंग की अंतिम यात्रा में शामिल होने पहुंच कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि बबर गुरूंग का राज्य निर्माण में अविस्मरणीय योगदान रहा।

आज यहां उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गोरखा समुदाय के प्रमुख नेता बाबर गुरुंग के निधन पर उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हो कर प्रदेश कांग्रेस की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के निर्माण के लिए चले आंदोलन में गोरखा समुदाय को राज्य के पक्ष में खड़ा करने व राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले बबर गुरुंग का योगदान अविस्मरणीय है।

उन्होंने कहा कि हमेशा पृथक उत्तराखंड राज्य निर्माण के पक्ष में रहने वाले बबर गुरुंग ने राज्य आंदोलन के

गुरुंग का राज्य निर्माण में योगदान अविस्मरणीयःधस्माना

दौरान अनेक बार जेल यात्रा की व सबसे बड़ी भूमिका जो उन्होंने निभाई वह गोरखा समुदाय को राज्य निर्माण के पक्ष में खड़ा किया। धस्माना ने कहा कि आज उनके निधन से उत्तराखंड ने एक सरल मृदुभाषी संघर्षशील नेता खो दिया है। धस्माना ने उनके परिजनों व इष्टमित्रों को इस दुख की घड़ी में सांत्वना देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री श्रीमति गोदावरी थापली, गोरखा सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, मधुसूदन, राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट, राज्य आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, सिद्धेश्वर मंदिर के प्रधान एस बी थापा,उज्ज्वल थापा, श्रीमति अनिता गले, ग्राम प्रधान दुर्गा राई, सुखदेव, वीरेंद्र पोखरियाल समेत बड़ी संख्या में गढ़ी डाकरा, कौलागढ़ के नागरिक अंतिम संस्कार में शामिल हुए। बबर गुरुंग के सुपुत्र विनय गुरुंग ने उनको मुखाग्नि दी।

कुड़ा जलाने के मामले में एनजीटी में शिकायत दर्ज कराई जाएगीः ललकार

संवाददाता

देहरादून। कुलदीप सिंह ललकार ने कहा कि लगातार कूडा जलाकर वायु प्रदूषण करने वालों के खिलाफ एनजीटी में शिकायत दर्ज करायी जाएगी।

आज यहां आज चक्खुवाला कार्यालय में बैठक कर राष्ट्रवादी आर टी आई एक्टिविस्ट एंड ह्यूमन राइट्स फेडरेसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह ललकार ने कहा कि इक तरफ राज्य सरकार सिटी को स्मार्ट बना रही है तो दूसरी तरफ रोक के बावजूद एन जी टी कि कुड़ा जलाने में रोक के बावजूद लगातार कुड़ा जला कर ना केवल एन जी टी के निर्देशों कि आह्वलना है अपितु इससे ना केवल वायु प्रदूषण फैलता है अपितु स्वस्थ भी प्रभावित होता है परन्तु अधिकारी आपनी चिर निंद्रा में सो रहें है जब देहरादून के दिल घंटा घर का ये हाल है, तो अन्य जगहों कि क्या दूर दसा होगी। इस मामले को राष्ट्रवादी आर टी आई एक्टिविस्ट एंड ह्यूमन राइट्स फेडरेसन भारत एन जी टी में शिकायत कर तत्काल कठोर कार्यवाही व अवमानना कि माँग करेगा।

उन्होंने कहा कि आम आदमी का जीवन का अधिकार धारा 21 का हनन किया जा रहा है और आम आदमी के स्वस्थ पर सीधा हमला है, परन्तु ये दूर भाग्य पूर्ण है कि एन जी टी के निर्दशों कि सरा सर अहवेलना कि जा रही है इस मामले में एन जी टी से गुहार लगा कर आपने निर्देशों का पालन सुनिश्चित करवाते हुए आपने निर्देशों का उलंघन करने वालो पर अवमानना कि कार्यवाही का अनरोध कर आम आदमी के जीवन के अधिकार कि रक्षा कि गुहार लगाई जाएगी।

राष्ट्रीय महामंत्री वेद गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार आग लगाने से कहीं बार आग जनी व कहीं वाहन भी आग कि चपेट में पूर्व में आ चुके है, परन्तु रोक के बावजूद हम नहीं सुधरेगे कि तर्ज पर कार्य कर मानव जीवन को प्रभावित किया जा रहा है। इस अवसर पर राकेश शर्मा, राकेश भट्ट, हेमंत शर्मा, दारा सिंह, राजकुमार, राजेश नाथ, दीपक गुसांई, बिजेंद्र सेमवाल, कैलाश सेमवाल, अमित वर्मा, कृष्ण गोपाल रुहेला, एडवोकेट मनीष, अरविंद मल्होत्रा, शिवम् भट्ट, आदि मौजूद थे।

नेताजी संघर्ष समिति ने पूर्व सीएम एनडी तिवारी को जन्म दिवस पर याद किया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी को जन्म दिवस पर याद कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड राज्य के प्रथम निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री स्वर्गीय नारायण दत्त तिवारी की पुण्यतिथि और जयंती के अवसर पर उन्हें अपने कार्यालय कांवली रोड पर याद किया। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष और राज्य आंदोलनकारी प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि तिवारी की ही देन है कि कचहरी स्थित शहीद स्मारक का निर्माण उन्हीं के द्वारा हुआ। राज्य आंदोलनकारियो को नौकरी और पेंशन भी उन्हीं की देन है तिवारी जी के कुशल नेतृत्व में राज्य प्रगति की और बड़ा है आंदोलनकारी सदा उनके ऋणी रहेंगे। तिवारी को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल,आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमानी, संदीप गुप्ता, दानिश नूर, अतुल शर्मा इम्तियाज अहमद, पारस यादव आदि उपस्थित रहे।

वेद वाणी

ब्रह्म गामश्वं जनयन्त ओषधीर्वनस्पतीन्पृथिवीं पर्वताँ अप:।
सूर्यं दिवि रोहयन्त: सुदानव आर्या व्रता विसृजन्तो अधि क्षमि।।

ऋग्वेद १०-६५-११

हमें प्रकृति की कल्याणकारी प्रक्रियाओं का अध्ययन करना चाहिए और उनके विस्तार में अपना योगदान करना चाहिए। हमें अपने ज्ञान की निरंतर वृद्धि करनी चाहिए। हमारा उचित भोजन और उचित रहन सहन होना चाहिए। इससे हमारे मस्तिष्क रूप गगन में ज्ञान के सूर्य का उदय होगा और हम उत्तम कर्म करने वाले बनेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी को जन्म दिन पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी को उनके जन्म दिवस पर कांग्रेसजनों ने याद कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं उत्तराखण्ड के प्रथम निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री स्व. नारायण दत्त तिवारी के जन्म दिवस और पुण्य तिथि के अवसर पर कांग्रेस भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की तथा देश, प्रदेश तथा पार्टी के लिए उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर गोगी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के प्रथम निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री की भूमिका में उनके द्वारा उत्तराखंड में विभागों का ढांचा तैयार करने, अवस्थापनात्मक संरचना की सुदृढ नींव रखने तथा राज्य की 900 करोड़ की वार्षिक योजना का आकार बढ़ाकर 5000 करोड़ तक पहुंचाने जैसे कई ऐसे कार्य किये गए जिनको आज भी कांग्रेस के

साथ साथ विरोधी दल के लोग भी याद करते हैं। पंडित नारायणदत्त तिवारी ने राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित कर राज्य के लोगों के लिए रोजगार सृजन करने का कार्य भी किया। गोगी ने कहा कि वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रथम छात्रसंघ अध्यक्ष रहे और उत्तर प्रदेश की पहली विधानसभा में भी 1952 में नैनीताल क्षेत्र से निर्वाचित हुए। उत्तर प्रदेश में तीन बार मुख्यमंत्री रहे, केंद्र में विदेश, वित्त जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्य भी देखा। नेहरू युवा केन्द्र की स्थापना और संचालन में उनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऐसा समृद्ध राजनीतिक जीवन बहुत ही विरले राजनेताओं का रहा है। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत नवीन जोशी, सावित्री थापा, सुनिल जयासवाल, जगदीश धीमान, विरेन्द्र पंवार, शकील मंसूरी, सूरज छेत्री, रामबाबू, अरविंद गुरु, हरीश मेहरा, साजिद मलिक, पूनम, शोभित थापा, मंजू चौहान, इंदु सिंह, अनुराग, अमित अरोड़ा, संदीप जैन, दीपक पवार आदि उपस्थित थे।

सुंदर व्यवहार का चेहरा

अभिश्री विठलानी

अगर कोई आपसे पूछे कि आपको क्या चाहिए, सुंदर चेहरा या अच्छा व्यवहार? तो आप क्या कहेंगे? यह कहानी इसी तरह की है। किसी शहर में एक दिन एक महात्मा प्रवचन देने आए थे। उस महात्मा का प्रवचन सुनने के लिए काफी सारे लोगों की भीड़ जमा हुई थी। महात्मा ने उनमें से एक आदमी को आगे बुलाया। महात्मा ने उस आदमी से कहा आपसे दो सवाल पूछूंगा। आप मुझे सच-सच बताना।

आदमी की हामी के बाद महात्मा ने उससे पहला सवाल पूछा कि अगर कोई सुंदर लड़की बाजार में आपको दिखे तो क्या आप उसे पलटकर देखेंगे? उस आदमी ने कहा, जी जरूर। उस वक्त अगर बीवी साथ न हो तो। उस आदमी का ये जवाब सुनकर लोग हंसने लगे। तभी महात्मा जी ने उस आदमी से पूछा कि आपको उस लड़की का चेहरा कब तक याद रहेगा? उस आदमी ने कहा, मुझे वह चेहरा तब तक याद रहेगा जब तक मैं उससे सुंदर लड़की न देख लूं। उस आदमी का जवाब सुनकर लोग फिर से हंसने लगे। फिर वह व्यक्ति बाद में बोलता है कि ज्यादा से ज्यादा मुझे वह लड़की 2-3 दिन तक याद रहेगी। महात्मा ने कहा, अच्छा ठीक है, अब मेरा दूसरा सवाल आपसे यह है कि अगर मैं आपको एक उपहार दूं और आपसे कहूं कि आपको यह उपहार दिल्ली में एक अमीर बिजनेसमैन रहता है, उसके घर तक पहुंचाना है। तो क्या आप मेरा ये काम करोगे? उस आदमी ने कहा, जी बिल्कुल, जैसा आप कहो वैसा मैं करूंगा। तभी महात्मा ने कहा, आप वहां उसके घर पर जाते हो, बाहर एक गार्ड आपके लिए खड़ा होगा। वह अंदर जाकर अपने मालिक से आपके बारे में बताएगा। वह बिजनेसमैन अपने सब काम छोड़कर आपसे मिलने के लिए बाहर आएगा। इतना ही नहीं, वह बाहर आकर आपसे उपहार ले कर आपको अंदर आने के लिए कहता है और आपके मना करने के बावजूद वह आपको अपने घर में लेकर ही जाता है। फिर वह आपसे खाना खाने के लिए आग्रह करता है। आपके लिए कई सारे पकवान बनाये जाते हैं। अंत में वह बिजनेसमैन आपको छोड़ने के लिए अपने ड्राइवर को साथ में भेजता है। आप बहुत खुश हो जाते हो। इतना बोलने के बाद महात्मा उस आदमी से पूछते हैं, अब आप बताइये कि आपको उस बिजनेसमैन का चेहरा कितने दिनों तक याद रहेगा? तब उस आदमी ने कहा कि महाराज मुझे उसका चेहरा जिंदगी भर याद रहेगा।

इस कहानी से हमें यही सीख मिलती है कि हमें जीवन में अपनी सुंदर छवि बनाने में ध्यान देना चाहिए न कि सुंदर चेहरा। क्योंकि लोग चेहरा भूल जाते हैं पर आपका व्यवहार कभी नहीं भूलते।

धुम्रपान है धीमा जहर

धुम्रपान से सेहत को कई प्रकार के नुकसान होते हैं। धुम्रपान करने से सबसे ज्यादा नुकसान आपके फेफड़ो को होता हैं, इससे आपको कैंसर भी हो सकता हैं। बीड़ी-सिगरेट पीने से न सिर्फ फेफड़ो को ही हानि होती हैं, बल्कि इससे पुरे शरीर पर बुरा असर पड़ता हैं। यह एक धीमे जहर के समान है। सिगरेट, बीड़ी, तम्बाकू ये सभी चीजें हमारी सेहत के लिए कितनी हानिकारक है यह सब जानते हैं। हर व्यक्ति को यह मालूम है कि सिगरेट पीना या फिर किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन करना हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, लेकिन जागरुकता के आभाव में लोग इसका सेवन करते रहते हैं।

नशा करना किसी भी समय ठीक नहीं होता पर यदि सिगरेट ठीक भोजन करने के बाद पी जाए, तो इसका नकारात्मक प्रभाव 10 गुणा बढ़ जाता है। इसका कारण यह है कि जब आप खाना खाते हैं तो शरीर का पाचन तंत्र पूरे शरीर को प्रभावित करता है और इस वक्त सिगरेट पीने से ज्यादा नुकसान होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार खाना खाने के तुरंत बाद सिगरेट पीने से आंत और फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है।

वहीं यह भी पाया गया है कि जो लोग सिगरेट पीने के आदी होते हैं उन्हें खाना खाने के तुरंत बाद ही सिगरेट पीने का सबसे ज्यादा मन करता है। अगर आप ऐसे लोगों की श्रेणी में हैं तो बुरे परिणामों से बचने के लिए भोजन और सिगरेट पीने में कम से कम 20 मिनट का अंतर रखें। इस तरह आप एक बड़ी गलती को करने से बच सकते हैं। सिगरेट को लेकर दूसरी बड़ी गलती जो लोग करते हैं वो है सुबह खाली पेट सिगरेट पीना। कुछ लोगों का यह मानना है कि सुबह उठकर खाली पेट सिगरेट पीने से पेट अच्छी तरह से साफहोता है, लेकिन यह मात्र एक भ्रम है।

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको इस आदत को बदल देना चाहिए। दरअसल अगर आप खाली पेट सिगरेट पीएंगे तो गैस की समस्या के साथ पाचन शक्ति भी कमजोर हो जाएगी।

चाय, कोल्ड ड्रिंक के साथ बढ़ता है नशा

वहीं कई जानकारों का ये भी कहना है कि चाय के साथ भी सिगरेट नहीं पीनी चाहिए, क्योंकि चाय में कैफीन होता है जो कि सिगरेट के निकोटिन के साथ मिलकर शरीर को भारी नुकसान पहुंचाता है। इसलिए चाय और सिगरेट दोनों को कभी एक साथ ना लें।

चाय के अलावा कई लोगों को सिगरेट के साथ कोल्ड ड्रिंक पीने की भी आदत होती है। यह भी स्वास्थ्य के लिहाज से गलत है।

वैसे हमारी कोशिश यही होनी चाहिए कि हम इस आदत से दूर रहें और संभव हो तो सिगरेट पीने की इस आदत को त्याग दें क्योंकि यह आदत किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ही होती है।

रजाई-कंबल या स्वेटर धोते समय कभी भी ना करें यह गलती

देश के कई हिस्सों में अब हल्की ठंड ने दस्तक दी है। ऐसे में गिरते तापमान के साथ ही लोगों के कई सारे रजाई-गद्दे और स्वेटर बाहर निकल लिए हैं। ऐसे में ठंड से बचने के लिए लोग इसका खूब इस्तेमाल कर रहे हैं, हालाँकि रजाई-कंबल और स्वेटर को सही तरीके से ना धोने से यह जल्दी खराब हो जाते हैं, और इनके खराब होने से ना हमें गर्माहट मिलती है और इसको पहनने से खुजली भी होती है। अब आज हम आपको बताने जा रहे हैं वुलन कपड़े धोने का सही तरीका, जिससे उसकी सॉफ्टनेस, चमक और गर्माहट लंबे समय तक बनी रहेगी।

एक साथ ना धोएं खूब सारे कपड़े- वैसे तो कई बार वॉशिंग मशीन में हम ढेर सारे कपड़े एक साथ डाल देते हैं और उन्हें घंटों तक उन्हें मशीन में धुलने देते हैं। हालाँकि वूलन कपड़ों को धोते समय यह बात ध्यान रखें कि कभी भी मशीन को ओवरलोड न करे। केवल पांच से सात कपड़े ही मशीन में एक समय में धोना चाहिए, ताकि यह अच्छी तरीके से साफ हो सके।

हमेशा कपड़ों को उल्टा करके धोएं- वुलन कपड़ों को धोते समय इस बात का ध्यान रखें कि हमें इन कपड़ों को हमेशा उल्टा धोना चाहिए इससे कपड़े का रेशा खराब नहीं होता है और वुलन क्लॉथ सॉफ्ट बना रहता है। पानी में ना गलाएं विंटर क्लोथ- वुलन कपड़ों को कभी भी ज्यादा देर तक सर्फ में गलाकर नहीं रखना चाहिए। कहा जाता है इससे इनका रंग निकल सकता है और सर्फ के पानी में ज्यादा देर रहने से इनकी सॉफ्टनेस भी खत्म हो जाती है। आप इन्हें बिना गलाएं तुरंत ही धो लें।

गर्म पानी में ना धोएं वुलन कपड़े- कई लोग गंदे कपड़े या वुलन कपड़े धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करने से कपड़े ज्यादा अच्छे से साफ हो जाएंगे, जबकि स्वेटर या गर्म कपड़ों को गर्म पानी से धोने से इनकी सेल्फ लाइफ कम होती है। ऐसे में इन कपड़ों को हमेशा नॉर्मल पानी में ही धोना चाहिए। बार-बार ना धोएं वुलन क्लॉथ- गर्म कपड़ों को बार-बार नहीं धोना चाहिए। ध्यान रहे एक वुलन कपड़े को कम से कम चार से पांच बार पहनने के बाद ही इसे धोएं। रजाई और कंबल को धोते समय ध्यान रखेंगे बात- रजाई और कंबल को कभी भी वॉशिंग मशीन में नहीं धोना चाहिए, क्योंकि इससे इनकी रूई अपनी जगह से हिल जाती है और यह समतल नहीं रहती है। इस वजह से हमेशा रजाई और कंबल को हाथ से धोए।

ऑस्टियोपेनिया की ओर बढ़ रहे बुजुर्ग

हड्डियों के अपने आप टूटने की रहस्यमयी बीमारी ऑस्टियोपोरोसिस और ओस्टियोपोरोसिस की पूर्व स्थिति ऑस्टियोपेनिया से पीड़ित लोगों की तादाद तेजी से बढ़ती जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश के है शहरी इलाके के लोगों में यह रोग अधिक है। उम्रदराज लोगों में ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फ्रैक्चर के मामले बढ़ते जा रहे हैं। अध्ययन के अनुसार शहरों में रहने वाले लोगों में ऑस्टियोपोरोसिस की दर ग्रामीण इलाकों से अधिक है।

38 से 68 साल के पुरुषों और महिलाओं पर किये एक अध्ययन से पता चला है कि करीब 9 प्रतिशत लोग ऑस्टियोपोरोसिस से और 60 प्रतिशत लोग ऑस्टियोपेनिया से पीड़ित हैं।

ऑस्टियोपेनिया और ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों की बीमारी है। ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियां इतनी कमजोर और खोखली हो जाती हैं कि केवल झुकने या छींकने-खांसने पर भी टूट जाती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फ्रैक्चर सबसे अधिक कुल्हे कलाई या रीढ़ की हड्डी में सबसे ज्यादा होते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस को श्खामोश बीमारीश् भी कहा जाता है, क्योंकि इस बीमारी में जब तक फ्रैक्चर नहीं होता है तब तक इसका पता नहीं चलता है। ऑस्टियोपोरोसिस के कारण दुनियाभर में हर साल लगभग 90 लाख फ्रैक्चर होते हैं। ओस्टियोपोरोसिस की पूर्व स्थिति को ऑस्टियोपेनिया कहा जाता है जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं लेकिन यह ऑस्टियोपोरोसिस जितनी गंभीर नहीं होती है। डॉक्टरों के अनुसार हड्डियों के घनत्व के कम होने के कारण हड्डियां कमजोर और भंगुर हो जाती हैं बुजुर्गों की बढ़ती आबादी के कारण भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका गंभीर सामाजिक-आर्थिक दबाव भी पड़ सकता है। बचाव के लिए कैलसियम पर्याप्त मात्र में लेने के साथ ही संतुलित आहार लें।

प्रेगनेंट होने के बाद 3 महीने तक महिलाओं को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत रहती है

प्रेगनेंसी से शुरुआती महीने तो बेहद नाजुक होते हैं। प्रेगनेंट होने के बाद 3 महीने तक महिलाओं को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत रहती है। मां बनना जितना खूबसूरत एहसास होता है, उतना ही मुश्किलों भरा भी। प्रेगनेंसी का असर महिलाओं के शरीर पर पड़ता है। 9 महीनों तक मां कई तरह के शारीरिक और मानसिक समस्याओं को झेलती है। इस दौरान मिसकैरेज का रिस्क अधिक होता है। 80 प्रतिशत मिसकैरेज 0 से 13 हफ्ते में ही होते हैं। ऐसे में इन महीनों में लापरवाही से बचना चाहिए, कुछ चीजों से परहेज करना चाहिए और कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए। प्रेगनेंसी के शुरुआती महीनों में 15 बातों का रखें ख्याल

1 प्रेगनेंसी के पहले तीन महीने बेहद खास और रिस्की होते हैं, इसलिए किसी से प्रेगनेंसी पर ज्यादा सलाह लेने की बजाय डॉक्टर पर ही भरोसा करें।

2 डॉक्टर घर के पास ही चुनें, ताकि समय पर मेडिकल सर्विस मिलती रहे। अगर गांव में रहती हैं तो आशा दीदी या प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में जाकर नाम दर्ज कराएं और सलाह मानें।

3 डॉक्टर की सलाह से ही खानपान, नींद और एक्सरसाइज का रूटीन बनाएं। तीनों ही आपकी और बच्चे की सेहत के लिए जरूरी हैं।

4 डॉक्टर जांच के बाद फॉलिक एसिड और कैल्शियम जैसे सप्लीमेंट्स दे सकते हैं। उनका रेगुलर तौर पर सेवन करें। फॉलिक एसिड से न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स से बच्चे को बचाने में हेल्प मिलती है। आयरन और कैल्शियम मां और बच्चे के हीमोग्लोबीन के लेवल को सही रखकर, हड्डियों को मजबूत बनाता है। दवाईयां लेने में लापरवाही न करें।

5 उल्टी, जी घबराना, मॉर्निंग सिकनेस या कब् जैसी समस्याएं प्रेगनेंसी में नॉर्मल हो सकती हैं, लेकिन ज्यादा परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलें और उन्हीं के हिसाब से डाइट बनाएं।

6 पेट के निचले हिस्से में दर्द, स्पॉटिंग यानी हल्की ब्लीडिंग या खून दिखे या तेज कमर दर्द हो तो नजरअंदाज करने की बजाय डॉक्टर से जाकर मिलना चाहिए।

7 प्रेगनेंसी में कभी भी अपनी मर्जी से कोई दवा न खाएं। इससे बच्चे और मां दोनों को खतरा रहता है। हमेशा डॉक्टर से पूछकर ही दवाएं लें।

8 करवट के बल लेटने और सोने की ही आदत डालें।

9 ज्यादा कॉफी, मीठा या कोल्ड ड्रिंक्स न पिएं।

10 सिगरेट, शराब पीती हैं तो तुरंत छोड़ दें।

11 हल्का टहलने की आदत बनाएं। खासकर रात के खाने के बाद वॉक जरूर करें। योगा के कुछ आसान रेगुलर तौर पर करें।

12 पहले तीन महीने में ज्यादा काम या एक्जर्शन से बचें। ज्यादा सफर न करें और बीच-बीच में आराम करें।

13 स्ट्रेस, तनाव से खुद को बचाएं। इसका असर मां और बच्चे की सेहत पर पड़ सकता है। मेडिटेशन करें, गाने सुनें, कुछ क्रिएटिव चीजें करें।

14 जंक फूड खाने की बजाय गुड़पट्टी, बादाम, अखरोट, काजू, मखाने, या फायदे वाले लड्डू खाएं।

15 डॉक्टर से समय-समय पर मिलती रहें। अपनी टेस्ट करवाएं और कंडीशन को समझें।

सिंगौरगढ़ किला, दमोह- मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर

अरूण शर्मा

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में स्थित सिंगौरगढ़ किला, रानी दुर्गावती के शासनकाल की महत्वपूर्ण धरोहर है। यह किला केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। पहाड़ी पर स्थित यह किला अपनी अद्वितीय स्थापत्य कला और सामरिक महत्व के कारण सदियों से एक महत्वपूर्ण किलेबंदी के रूप में पहचाना गया है।

सिंगौरगढ़ किला दमोह के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह किला पहाड़ी की चोटी पर बनाया गया है, जिसे कलचुरी राजवंश द्वारा निर्मित किया गया था। इस किले का महत्व बढ़ाने में कई राजवंशों का योगदान रहा है। समय-समय पर इसमें विभिन्न निर्माण और सुदृढ़ीकरण कार्य किए गए, जिनके अवशेष आज भी इस किले में देखे जा सकते हैं।

०-सिंगौरगढ़ किले का ऐतिहासिक महत्व-सिंगौरगढ़ किले का नाम इतिहास में विशेष रूप से रानी दुर्गावती के शासनकाल से जुड़ा हुआ है। इस किले की दीवारें और परकोटे इसे दुश्मनों से सुरक्षित रखने के लिए विशेष रूप से निर्मित किए गए थे। इसके चारों ओर लगभग 8 किलोमीटर की लंबाई में फैला बाहरी परकोटा है, जो किले की बाहरी सुरक्षा सुनिश्चित करता था। किले के अंदरूनी हिस्से में भी एक परकोटा है, जिसे अन्त- किलेबंदी के रूप में उपयोग किया जाता था। किले के भीतर रानी महल, विशाल जल कुंड, मंदिरों के अवशेष और अन्य स्थापत्य संरचनाएं हैं, जो इसके गौरवशाली इतिहास की गवाही देती हैं।

किले का निर्माण पूरी तरह से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किया गया है। इसमें बड़े अनगढ़ पत्थरों का उपयोग किया गया है और दीवारों को मजबूत बनाने के लिए चूना और मिट्टी का उपयोग किया गया है। किले के ऊपर विभिन्न संरचनाएं, जैसे रानी महल और अन्य स्थापत्य धरोहरें, इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।

०-संरक्षण कार्य = अतीत को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास-सिंगौरगढ़ किला संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल है। इसके संरक्षण का कार्य 4 चरणों में किया जा रहा है। प्रत्येक चरण में किले के विभिन्न भंग हिस्सों का जीर्णोद्धार कर इनका संरक्षण और पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें मुख्यत- किले के बाहरी और आंतरिक दीवारों का संरक्षण, सीढियों की मरम्मत, रानी महल की छत की मरम्मत और किले के अन्य संरचनाओं की मरम्मत का कार्य शामिल है। इसके लिए कुल 8.83 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं। किले के महत्वपूर्ण हिस्सों की मरम्मत और संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2020-21 में परियोजना के पहले चरण में 1 करोड़ 4 लाख रूपये के कार्य किये गये।

पहले चरण में किले के मुख्य प्रवेश द्वार (हाती गेट) का संरक्षण कार्य पूरा किया गया। इस चरण में हाथी गेट के प्रवेश मार्ग की मरम्मत, रिटेनिंग दीवार का निर्माण, पुराने प्लास्टर को हटाकर नए प्लास्टर का कार्य और गुम्बद की मरम्मत भी शामिल थी। साथ ही किले के परिसर में सैंड स्टोन फ्लोरिंग और लाईम कांक्रीट कार्य भी किया गया। यह कार्य वित्त वर्ष 2023-24 में पूरा हुआ।

०-भविष्य की योजनाएं और चरणबद्ध कार्य-अगले चरण में रानी महल, किले की सीढियों और कंगूरों की मरम्मत की जाएगी। बलुआ पत्थर के स्तंभों, पत्थर की बेंचों और अन्य स्थापत्य धरोहरों की भी मरम्मत की जाएगी। इस किले के संरक्षण कार्य का उद्देश्य इसे न केवल ऐतिहासिक रूप से सुरक्षित रखना है, बल्कि इसे पर्यटन के लिहाज से भी विकसित करना है, ताकि इसे मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल किया जा सके।

०-प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर का संगम-सिंगौरगढ़ किला एक ऐतिहासिक स्थल होने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य से भी परिपूर्ण है। यह किला सिंग्रामपुर के आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित है, जो इसे प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का अनूठा संगम बनाता है। किले के आसपास का दृश्य बहुत ही मनोहारी है और यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है।

०-पर्यटन और रोजगार के अवसर-संरक्षण कार्य से किले को न केवल संरक्षित किया जा रहा है, साथ ही इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। किले के संरक्षण के साथ-साथ, इसके आसपास के क्षेत्रों में भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं। इससे क्षेत्रीय पर्यटन विकास और आर्थिक उन्नति होगी।

सिंगौरगढ़ किले का संरक्षण कार्य एक ऐतिहासिक धरोहर को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले वर्षों में यह किला मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में जाना जायेगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

बच्चों को रचनात्मक बनाने के लिए अपनाएं ये 5 सरल और प्रभावी तरीके

बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना एक अहम कार्य है।कहानी सुनाना इस दिशा में एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। यह न केवल बच्चों की कल्पना शक्ति को प्रोत्साहित करता है, बल्कि उन्हें नई चीजें सीखने और समझने का भी मौका देता है।कहानियों के माध्यम से बच्चे नए विचारों को सोचने लगते हैं और उनकी सोचने की क्षमता बढ़ती है।आइए जानें कि कहानियों के साथ-साथ और किन तरीकों से बच्चों को रचनात्मक बनाया जा सकता है।

खुद कहानियां बनाना सिखाएं

बच्चों को खुद कहानियां बनाने के लिए प्रेरित करें।उन्हें एक शुरुआत दें और फिर उनसे पूछें कि आगे क्या हुआ होगा। इससे उनकी कल्पना शक्ति का विकास होता है और वे नए-नए विचार सोचने लगते हैं।आप उन्हें अलग-अलग पात्रों, स्थानों और घटनाओं के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।इसके अलावा बच्चों को अपनी कहानियों में खुद की समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए भी प्रेरित करें, जिससे उनकी समस्या-समाधान क्षमता भी बढ़ेगी।

चित्रों का उपयोग करें

कहानियों को अधिक रोचक बनाने के लिए चित्रों का उपयोग करें।बच्चे चित्र देखकर आसानी से समझ पाते हैं और उनकी रुचि बनी रहती है। आप किताबों या इंटरनेट से चित्र निकालकर दिखा सकते हैं या खुद भी कुछ सरल चित्र बना सकते हैं।बच्चों को कहानियों के पात्रों और घटनाओं के चित्र बनाने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनकी कल्पना शक्ति और रचनात्मकता में वृद्धि होगी। इस तरह वे कहानी को बेहतर समझेंगे और उसमें अधिक रुचि लेंगे।

संवाद पर ध्यान दें

कहानी सुनाते समय संवाद पर खास ध्यान दें। बच्चों को अलग-अलग पात्रों की आवाजें निकालकर दिखाएं और उनसे भी ऐसा करने को कहें।इससे उनकी भाषा कौशल में सुधार होता है और वे बेहतर तरीके से अपनी भावनाओं को व्यक्त कर पाते हैं।आप बच्चों को संवाद के माध्यम से कहानी में शामिल करें, जिससे उनकी सोचने और बोलने की क्षमता बढ़ेगी। इस तरह वे कहानी को अधिक जीवंत और रोचक पाएंगे, जिससे उनकी रचनात्मकता में वृद्धि होगी।

नियमित रूप से समय निकालें

रोजाना कहानी सुनाने का समय निर्धारित करें ताकि यह एक आदत बन जाए।इससे बच्चे न केवल उत्सुक रहते हैं, बल्कि उनके दिमाग का विकास भी होता है क्योंकि वे हर दिन कुछ नया सीखते हैं।इससे उनकी सोचने की क्षमता बढ़ती है और वे नए विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं।इस प्रकार कहानी सुनाना बच्चों की रचनात्मकता और मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य -99

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

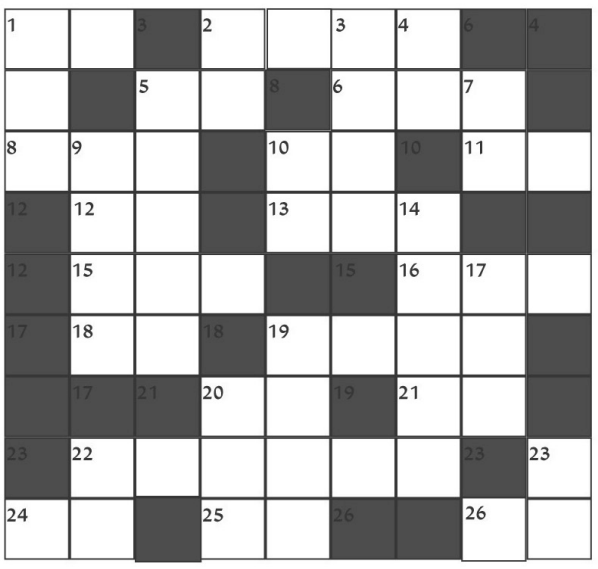

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 98 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

किक 2 फिल्म से भाईजान का फर्स्ट लुक आउट

साजिद नाडियाडवाला ने अपनी आगामी फिल्म किक 2 का ऑफिशियल एलान किया है। इतना ही नहीं, प्रोड्यूसर ने फिल्म के सेट से सलमान खान का फर्स्ट लुक भी जारी किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर किक 2 से सलमान खान तस्वीर शेयर की है। उन्होंने डेविल की मोनोक्रोम तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है, यह एक शानदार किक 2 फोटोशूट था सिकंदर। फ्रॉम ग्रैंड, साजिद नाडियाडवाला। किक 2 से सलमान खान का फर्स्ट लुक सामने आते ही फैंस का रिएक्शन आना शुरू हो गया। एक फैन ने लिखा है, सिकंदर के बाद डेविल। एक दूसरे फैन ने लिखा है, आइकोनिक बैकपोज। एक और फैन ने लिखा है, असली शो अब चालू होने वाला है, क्योंकि अब डेविल आने वाला है। अन्य फैंस ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन को फायर इमोजी से भर दिया है। किक 2 सलमान खान की 2014 की फिल्म किक का सीक्वल है। किक नाडियाडवाला की निर्देशन में पहली फिल्म थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। सलमान खान की एक्शन फिल्म फैंस और दर्शकों को काफी पसंद आई थी। फिल्म ने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ था और इसी के साथ यह उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक फिल्म साबित हुई। सलमान खान इन दिनों एआर मुरुगादॉस की फिल्म सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं एआर मुरुगादॉस की फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। सिकंदर ईद 2025 पर रिलीज के लिए तैयार है।(आरएनएस)

अहान शेट्टी, सनी देओल संग सीमापार दुश्मनों से लेंगे लोहा

बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के बाद अब सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की एंट्री हो गई है। फिल्म बॉर्डर में सुनील शेट्टी ने शानदार काम किया था और वह फिल्म में अपने रोल में शहीद हो गए थे। अब फिल्म बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी की कमी को पूरा करने के लिए उनके बेटे अहान शेट्टी को फौजी बनाकर उतारा गया है। सनी देओल और अहान शेट्टी ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस को इसकी जानकारी दी है। साथ ही एक टीजर भी जारी किया है। बॉर्डर 2 के सामने आए टीजर में फिल्म बॉर्डर से सुनील शेट्टी की झलक दिख रही हैं, जिसमें सुनील शेट्टी दुश्मनों से लोहा लेते दिख रहे हैं। वहीं, अब यही काम बॉर्डर 2 में उनके बेटे अहान शेट्टी करने जा रहे हैं। इस फिल्म का बीती जून में एलान हुआ था। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ की एंट्री हो चुकी है और अब फिल्म में अहान शेट्टी फौलादी फौजी के रोल में नजर आएंगे। बता दें, बॉर्डर 2 को जेपी दत्ता, निधि दत्ता, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म बॉर्डर 2 के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि फिल्म 23 जनवरी 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। बता दें, 13 जून 1997 को फिल्म बॉर्डर रिलीज हुई थी, जिसे जेपी दत्ता ने डायरेक्ट किया था। बॉर्डर हिंदी सिनेमा में वॉर फिल्मों की कैटेगरी में सबसे हिट फिल्मों की लिस्ट में टॉप पर आती है। अब देखना होगा कि क्या बॉर्डर 2 वो मुकाम हासिल कर पाएगी, जो बॉर्डर ने किया था।(आरएनएस)

मौनी रॉय ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पहना अतरंगी ड्रेस

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लंदन फैशन वीक के दौरान की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके आउटफिट को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। यूजर्स उनके इस ड्रेस की तुलना बोरे से करने लगे हैं।

एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने अतरंगी आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें उनके लुक को देखकर लोग दंग रह गए हैं।

बताते चलें कि मौनी रॉय के हर एक लुक का दीदार करने के लिए फैंस उनकी तस्वीरों का बेस्ब्री से इंतजार करते हैं लेकिन इस बार उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया है, जिसकी वजह से यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

मौनी रॉय ने अपनी फोटोज क्लिक करवाते हुए ब्लैक एंड व्हाइट कलर का आउटफिट पहना हुआ है, जिसकी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं, लोगों ने उनका ये लुक देखकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है।

एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- ये बोरा क्यूं पहन लिया। दूसरे ने लिख- मेरा कंबल वापिस करो। तीसरे यूजर ने लिखा है- गरीब का कंबल चुरा लिया तुम्हें शर्म नहीं आती क्या। वहीं, अन्य यूजर ने उनके इस लुक को चटाई बता दिया।

बता दें कि एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए डार्क मेकअप किया है। साथ ही उन्होंने आंखों में काजल लगा कर कजरारी निगाहों से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। (आरएनएस)

अदा शर्मा को एक शो में मिला 10 भूमिकाएं निभाने का मौका

अभिनेत्री अदा शर्मा आगामी सीरीज रीता सान्याल में एक वकील का किरदार निभाती नजर आएंगी और उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ एक शो में 10 भूमिकाएं निभाने का मौका मिला। अभिरूप घोष द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्रशंसित लेखक अमित खान द्वारा रचित चरित्र पर आधारित है।

अदा ने कहा, मैं हमेशा से रीता सान्याल जैसा किरदार निभाना चाहती थी। मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे टाइपकास्ट नहीं किया गया और मुझे कुछ सराहनीय, कुछ डरावने, कुछ प्यारे किरदार निभाने को मिले। लेकिन जिस पल मैंने रीता सान्याल की स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे लगा कि यह शो मेरे लिए ही है।

उन्होंने कहा कि कलाकार के रूप में हमें अलग-अलग किरदार निभाने के लिए अलग-अलग प्रोजेक्ट करने पड़ते हैं। यहां मुझे एक शो में 10 लोगों का किरदार निभाने का मौका मिला। इस शो में एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा, रोमांच, अपराध सब कुछ है।

अदा ने बताया, यह सीरीज एक लड़की के सामने आने वाली चुनौतियों का सार प्रस्तुत करती है जो एक वकील और जासूस के रूप में बड़ा नाम बनाने की कोशिश कर रही है। जो चीज इसे पहले देखी गई चीजों से अलग बनाती है, वह यह है कि रीता सान्याल कॉमिक बुक पढने जैसा है। यह मजेदार और रोमांचकारी है। इस सीरीज में राहुल देव, अंकुर राठी और माणिक पपनेजा जैसे स्टार कलाकार भी शामिल हैं।

कीलाइट प्रोडक्शंस के निर्माता और सह-संस्थापक राजेश्वर नायर ने कहा, कहानी सुनाने की कला में मुझे जो कुछ भी पसंद है, वह सब कुछ इसमें है। यह बेहद ही मनोरंजक है। यह दर्शकों को सीटों पर बांधे रखेंगी। अदा ने रीता के किरदार को सहजता से निभाया है और उसे जीवंत कर दिया है। वह एक बेहतरीन अदाकारा हैं और उन्होंने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है। कीलाइट प्रोडक्शंस के बैनर तले राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर द्वारा निर्मित रीता सान्याल 14 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई है।(आरएनएस)

कई बुज़ुर्ग अपने अपमान के विरुद्ध ख़ामोश रहते ही हैं

रजनीश कपूर

सभी वरिष्ठ नागरिकों शायद को %माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' के कानून की जानकारी रखनी चाहिए ताकि अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार और अपमान के ख़िलाफ़ न्याय लेने के लिए कोर्ट भी जा सकते हैं। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' के तहत ऐसे तमाम प्रावधान हैं जहां बुजुर्गों की सुरक्षा व देखभाल का ख़्याल रखा गया है।

आधी दुनिया पर विजय पाने वाला सिकंदर-ए-आज़म जब अपने देश वापिस लौट रहा था तो उसका स्वास्थ्य इतना बिगड़ा की वह मरणासन्न स्थिति में पहुँच गया। अपनी मृत्यु से पहले सिकंदर ने अपने सेनापतियों और सलाहकारों को बुलाया और कहा की मेरी मृत्यु के पश्चात् मेरी तीन इच्छाएँ पूरी की जाएँ। उन तीन इच्छाओं में से एक इच्छा थी। मेरी अर्थी में मेरे दोनों हाथ बाहर की ओर रखे जाएं - इससे लोग समझ सकें की जब मैं दुनिया से गया तो मेरे दोनों हाथ खाली थे। इंसान आता भी खाली हाथ है और जाता भी खाली हाथ है। परंतु इस बात को बिना समझे, हम हर पल अधिक से अधिक संपत्ति और धन अर्जित करने की दौड़ में लग जाते हैं।

आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि किसी बुजुर्ग को, पैसे और संपत्ति के लालच में उसी की संतान ने घर से बेघर कर दिया। ऐसा अक्सर उन परिस्थितियों में होता है जब बच्चों को सही संस्कार नहीं दिये जाते। ऐसा अक्सर तब भी होता है जब घर के बड़े-बुजुर्ग अपने मोह और स्नेह के चलते, अपने जीते-जी ही अपनी चल-अचल संपत्ति के सभी उत्तराधिकार अपने बच्चों को दे देते हैं। जो संतान संस्कारी होती है वे बिना किसी लोभ या स्वार्थ के, अंतिम समय तक अपने माता-पिता की सेवा करते हैं।

परंतु ऐसी भी संतान होतीं हैं जिन्हें जैसे ही इस बात का पता चलता है कि माता-पिता ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी बना दिया है, वैसे ही उनका अपने माता-पिता के प्रति व्यवहार बदलने लगता है। परंतु सभी वरिष्ठ नागरिकों शायद इस बात की जानकारी नहीं है कि %माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' के तहत वे अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार और अपमान के ख़िलाफ़ न्याय लेने के लिए कोर्ट भी जा सकते हैं। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007, भारत सरकार का एक अधिनियम है जो वरिष्ठ नागरिकों और माता-पिता के भरण-पोषण और देखभाल के लिए कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। इस अधिनियम के तहत, बच्चों और उत्तराधिकारियों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को भरण-पोषण देना कानूनी दायित्व है। इस अधिनियम के तहत, राज्य सरकारों को हर ज़िले में वृद्धाश्रम स्थापित करने के प्रावधान भी हैं।

अगर कोई वरिष्ठ नागरिक अपनी आय या संपत्ति से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है, तो वह अपने बच्चों या रिश्तेदारों से भरण-पोषण के लिए आवेदन कर सकता है। अगर कोई व्यक्ति, किसी वरिष्ठ नागरिक की देखभाल या संरक्षण प्राप्त करने के बाद उसे उपेक्षित किसी जगह छोड़ देता है, तो उसे तीन महीने तक की जेल हो सकती है या पांच हज़ार रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

अगर किसी वरिष्ठ नागरिक के बच्चे नहीं हैं, तो वह भी मेंटेनेंस के लिए दावा कर सकता है। अगर किसी वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति का इस्तेमाल रिश्तेदार कर रहे हैं, तो सम्पत्ति का इस्तेमाल करने वाले या उसके वारिस पर बुज़ुर्ग की देखभाल के लिए दावा किया जा सकता है। इतना सब कुछ होते हुए भी हमें अक्सर यही सुनने को मिलता है कि बुजुर्गों को उन्हीं के खून द्वारा अपमानित व उपेक्षित किया जाता है।

ऐसे में कई बुजुर्ग जिन्हें इस अधिनियम की जानकारी नहीं है वे तो अपने अपमान के विरुद्ध ख़ामोश रहते ही हैं। साथ ही ऐसे भी बुजुर्ग हैं जो समाज में अपनी व अपने बच्चों की मर्यादा और इज़्ज़त की ख़ातिर क़ानूनी सलाह या कार्यवाही नहीं करते।

बीते दिनों दिल्ली से सटे नोएडा की एक खबर आई जहां 85 वर्ष के एक वरिष्ठ पत्रकार को अपने ही घर से बेघर होने की स्थित का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक-एक पाई जोड़ कर सन् 2000 में एक फ्लैट खरीदा। 205 में जब उनकी इकलौती बेटी शादी विफल हुई तो वो अपने पुत्र के साथ अपने पिता के घर में रहने लगी। कई वर्षों तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। 2022 में अपनी पुत्री के प्रति स्नेह के चलते उन्होंने अपने फ्लैट को एक गिफ्ट डीड' के ज़रिये अपनी बेटी के नाम कर दिया।

इस गिफ्ट डीड' होने के कुछ ही महीनों के बाद उनकी बेटी का अपने पिता के प्रति रवैया बदलने लगा। पहले बुरा बर्ताव, फिर मार-पीट और उसके बाद उन्हें कई बार घर से भी निकाला गया। बाद में किसी न किसी तरह उन्हें घर में वापिस लिया गया। परंतु हद तो तब हुई जब बीते अगस्त में उनकी बेटी ने इस फ्लैट को बेच दिया और अब उन्हें इस उम्र में बेघर होने पर मजबूर कर दिया। नोएडा हो या देश का कोई अन्य शहर, ऐसी खबरें आपको लगातार मिलती रहती हैं और आपको सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा हैं?

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अजय गर्ग के अनुसार ज़्यादातर लोगों को %गिफ्ट डीड' और वसीयत' के बीच के मूल अंतर की जानकारी ही नहीं होती। कोई भी व्यक्ति अपने जीवन काल में, गिफ्ट डीड' के माध्यम से अपनी संपत्ति किसी के भी नाम कर सकता है। प्राय-गिफ्ट डीड' इस उम्मीद से की जाती है कि जिस किसी के भी हक़ में गिफ्ट डीड' लिखी गई हो वह व्यक्ति दान-दाता की अच्छी देखभाल करेगा। वहीं किसी भी %वसीयत' पर मृत्यु के पश्चात ही अमल किया जा सकता है।

दोनों ही स्थितियों में यदि बुजुर्गों को यह लगता है कि उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा तो वे इसमें बदलाव या इसे रद्द भी कर सकते हैं। ग़ौरतलब है कि %माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' के तहत ऐसे तमाम प्रावधान हैं जहां बुजुर्गों की सुरक्षा व देखभाल का ख़्याल रखा गया है। इस अधिनियम का सही इस्तेमाल उचित क़ानूनी सलाह पर लिया जाए तो न सिर्फ़ बुजुर्गों को अपमानित करने वाली घटनाओं में कमी आएगी बल्कि अपनों का अपनों के प्रति स्नेह बना रहेगा।

फिल्म सिकंदर में नजर आएंगी वरुण धवन की भतीजी!

अभिनेता वरुण धवन की भतीजी और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर अंजिनी धवन इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म बिन्नी एंड फैमिली को लेकर चर्चा में हैं।उनकी यह फिल्म 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरसती नजर आयी। बिन्नी एंड फैमिली की रिलीज के बाद अब अंजिनी की किस्मत चमक गई है। उनके हाथ बड़े सुपरस्टार की बहुचर्चित फिल्म लगी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान की फिल्म सिकंदर की स्टार कास्ट में अंजिनी शामिल हो गई हैं।फिल्म में एक अहम भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने अंजिनी से संपर्क किया है। उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और इसके लिए अभिनेत्री ने हामी भी भर दी है।कहा जा रहा है कि अंजिनी जल्द फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकती है। जल्द इस खबर का आधिकारिक ऐलान किया जाएगा। सिकंदर के निर्देशन की कमान एआर मुरुगादॉस ने संभाली है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं।इस फिल्म में सलमान की जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। प्रतीक बब्बर और सत्यराज जैसे दिग्गज सितारे भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। सिकंदर को ईद, 2025 के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

सू- दोकू क्र. 99

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.98का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

दहिमन संजीवनी असाध्य रोगों में है रामबाण दवा

कृष्णा सिंह बाबा

छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश के कुछ जंगलों में पाये जाने वाला दहिमन का पेड़ औषधियों से परिपूर्ण है। इसे देव पौधा भी कहा जाता है। किन्तु उचित देखभाल के अभाव में यह विलुप्त होता जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सरगूजा संभाग के कोरिया जिले में इस पौधे को संरक्षित रखने का काम यहां के रेंजर अखिलेश मिश्रा के द्वारा लगातार किया जा रहा हैं। जिससे क्षेत्र में अब दहिमन के पेड़ बढ़ रहे हैं वहीं इसके पौधे भी सुरक्षित तरीके से तैयार किये जा रहे हैं। सदियों से जब विश्व में अंग्रेजी दवाओं का आविष्कार नहीं हुआ था तब से लेकर अंग्रेजी दवाओं के जन्म तक आयुर्वेदिक औषधियों वनस्पति जड़ी बूटी आदि के जरिए असाध्य रोगों का उपचार आयुर्वेदाचार्यों/ऋषिमुनियों द्वारा किये जाने के प्रमाण वेद और पुराणों में मौजूद है। प्राचीन भारत में राजाओं के मध्य सत्ता संघर्ष को लेकर होने वाले महायुद्धों में आयुर्वेदिक औषधियों का चमत्कार सर्वविदित है। गोस्वामी तुलसी दास कृत रामायण में भी राम रावण के बीच होने वाले युद्ध में लक्ष्मण के मूर्छित होने पर महाबली हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी की खोज में पूरा पर्वत उठाकर लाने का प्रसंग आज भी आयुर्वेदिक औषधियों के महत्व को असाध्य बीमारियों के उपचार में प्रतिपादित करता है। जहां अंग्रेजी दवाओं का सफर कम होता है वहां आयुर्वेदिक उपचार ही मरीज को लाभांवित करता है इस संबंध में सरगुजा संभाग के घने वनों से घिरे कोरिया के रेंजर अखिलेश मिश्रा द्वारा जनहित में आयुर्वेदिक दहिमन संजीवनी का विलुप्त होने पर चिंतन व्यक्त करते हुए उसके महत्व को आधुनिक संदर्भ में विस्तार से आम लोगों को जानकारी उपलब्ध कराने के पीछे जड़ी बूटी के महत्व को आम लोगों को जनवाना है इसी कड़ी में मिश्रा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भारत को आयुर्वेद का गुरु माना जाता है, क्योंकि यहां सदियों से आयुर्वेद को लेकर बड़े-बड़े शोध होते रहे हैं. यहां ऐसी कई दुर्लभ प्रजातियों पेड़ पौधों पाए जाते हैं, जो कई असाध्य रोगों के लिए रामबाण उपयोगी साबित हुए है. इन्हीं में से एक है दहिमन का पेड़, जो काफी दुर्लभ होता है और आसानी से इसकी पहचान नहीं की जा सकती. इस पेड़ के फल, पत्ती, जड़ तना सभी कुछ असाध्य रोगों और शारीरिक समस्या के लिए काम आता है. कई तरह की बीमारियों में ये संजीवनी का भी काम करता है.

दहिमन पेड़ का बॉटेनिकल नाम कॉर्डिया मैकलोडी हुक है, जिसे दहिमन या देहिपलस के नाम से भी जाना जाता है, दहिमन एक औषधीय गुणों से भरपूर पेड़ है. जो किसी भी प्रकार की संजीवनी बूटी से कम नहीं है. कहा जाता है कि यह कैंसर जैसी घातक बीमारी को भी ठीक कर सकती है. दहिमन के बारे में हमारे ग्रंथों में भी वर्णन किया गया है और लोगों की कुछ धार्मिक आस्था भी इस पेड़ से जुड़ी हुई है.

शहडोल जिले के जंगलों में औषधिय महत्व के कई वनस्पती पाए जाते हैं, जिनके बारे में क्षेत्र के लोगों को जानकारी नहीं है. ऐसा ही है दहिमन का पेड़ जो शहडोल जंगलों में पाया जाता है, लेकिन जानकारी के आभाव में विलुप्ति की कगार पर हैं, यही कारण है कि अब यह ढूंढने से ही मिलता है, लेकिन इसका समय रहते संरक्षण नहीं किया गया तो औषधीय महत्व का ये पेड़ भी कब विलुप्त हो जाएगा किसी को पता भी नहीं चलेगा. ब्रेन में क्लॉट में दहिमन का पत्तियों का लेप लगाना और माला पहनने से क्लॉट डिसॉल्व होने लगता है. कई मामलों में इसका उपयोग जहर का प्रबाव कम करने के लिए होता है. कम नींद और ज्यादा नींद के मरीजों की मानसिक स्थिति को संतुलित करता है. अगर कोई मानसिक रोगी शराब नहीं छोड़ पा रहा है तो उसके लिए भी यह बहुत उपयोगी है. सांप के काटने पर भी इसका उपयोग जहर के कम करने के लिए किया जाता. दहिमन के पौधे को लेकर कुछ जानकर बताते हैं कि अंग्रेजों के समय में यह पेड़ बहुत अधिक संख्या में पाए जाते थे. इसके पत्तों पर कुछ लिखा जाए तो यह उभरकर सामने आ जाता है. इसलिए इसके पत्तों का उपयोग क्रांतिकारी गुप्तचर संदेश भेजने के लिए किया करते थे लेकिन जब इस बात का पता अंग्रेजों को चला तो उन्होंने इसके पेड़ को काटने का आदेश दे दिया इसलिए दहिमन का वृक्ष केवल कुछ जगह पर ही बचे हैं।

सीएम धामी ने पूर्व सीएम स्व. एनडी तिवारी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

देहरादून (कासं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी की जयंती और पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रदेश को औद्योगिक उन्नति की राह पर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके द्वारा किए गए विकासपरक कार्य हमारे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।

उत्तराखण्ड क्रांति दल ने दी बबर गुरुंग को श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय बबर गुरूंग को याद कर श्रद्धांजलि दी।

आज उत्तराखंड क्रांति दल के वरिष्ठ नेता एवं भूतपूर्व सैनिक तथा राज्य निर्माण सेनानी बब्बर गुरुंग ने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। दल के लिए यह अपूरणीय क्षति है, उत्तराखंड क्रांति दल केंद्रीय कार्यालय कचहरी रोड में शोक सभा आयोजित कर बब्बर गुरु को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ नेता एवं राज्य आंदोलनकारी जबर सिंह पावेल द्वारा स्वर्गीय बब्बर गुरुंग द्वारा उत्तराखंड के लिए किए गए योगदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि दिल्ली से लेकर देहरादून और राज्य के कई भागों में आंदोलन और धरना प्रदर्शन में नेतृत्व किया तथा स्वर्गीय गुरुंग ने दिल्ली जंतर मंतर में राज्य निर्माण की मांग को लेकर 29 दिन तक आमरण अनशन किया था।

उन्होंने पहाड़ के हित के लिए अपने समुदाय'' गोरखा समुदाय '' को जगाने का भी काम किया और राज्य आंदोलन में गोरखाओं की भूमिका सुनिश्चित की। ऐसे महान विभूति जिन्होंने हिमालय को बचाने के लिए निरंतर प्रयास किया, उनको उत्तराखंड क्रांति दल अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि प्रदान करता है। दल में उनके द्वारा दिए गए योगदान तथा कार्यों को कभी भी भुलाया नहीं जाएगा।

शोक सभा में केंद्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय, प्रमिला रावत, केंद्रीय महामंत्री सुनील कोटनाला, कार्यालय प्रभारी किरन रावत कश्यप, पछुआदून जिला अध्यक्ष गणेश प्रसाद काला, केंद्रीय संगठन मंत्री देवेंद्र दत्त पंत, सैनिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष महिपाल पुंडीर, सुमित डंगवाल आदि उपस्थित रहे।

युवती से किया दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

बलात्कार किया। उसने इसके बाद उससे शादी के लिये कहा तो उसने इनकार कर दिया और उसको डोईवाला चौक पर छोड़कर फरार हो गया। जब उसने दोबारा उससे फोन पर सम्पर्क किया तो उसने उसका नम्बर ब्लॉक कर दिया और फिर उससे सम्पर्क नहीं किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गंगा घाट पर मांस खाने पर बवाल... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

भाग निकला। इसके बाद लोगों ने खोखा स्वामी को पीटा और खोखे में तोड़फोड़ कर दी गई। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने खोखा स्वामी को हिरासत में ले लिया है। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि खोखा स्वामी नॉनवेज खा रहा था। नॉनवेज वहां बनाया गया या नहीं इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस एक्ट में खोखा स्वामी का चालान किया गया है।

सीएम के सम्मुख उठी सीमांत की समस्याएं

जिपंस मर्तोलिया को सीएम धामी से मिला आश्वासन

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। मुनस्यारी के जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने गुरुवार के देर रात को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर राजकीय बालिका आश्रम पद्धति विद्यालय गोठी का उच्चीकरण करने सहित स्वास्थ्य तथा शिक्षा से संबंधित समस्याओं को उठाया। मुख्यमंत्री ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने गुरुवार की देर रात्रि को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके शासकीय आवास में मुलाकात की।

उन्होंने राजकीय बालिका आश्रम पद्धति विद्यालय गोठी का उच्चीकरण किए जाने की मांग पर जोर दिया। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने भी विद्यालय के उच्चीकरण के लिए मुख्यमंत्री को अपनी संस्तुति दी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के सम्मुख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुनस्यारी का मामला भी रखा गया इस पर मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सचिव को जांच के आदेश दे दिए है।

उन्होंने राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट को पीजी का दर्जा देने के साथ ही महाविद्यालय मुनस्यारी में रिक्त पदों का पदों पर नियुक्ति करने तथा नए विषय खोलने के लिए विशेष प्रयास करने का अनुरोध किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र देते हुए यह मांग उठाई कि विकासखंड धारचूला तथा मुनस्यारी में प्राथमिक, माध्यमिक तथा इंटर कॉलेजों में शिक्षकों के रिक्त पदों को तत्काल भरने के लिए इन दो विकास खंडों में शिक्षकों की भर्ती के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। तभी यहां के विद्यार्थियों को शिक्षक मिल सकते है। उन्होंने कहा कि काउंसलिंग सिस्टम ने दुरस्त क्षेत्रों में आने वाले शिक्षकों का रास्ता रोक दिया है।

इसलिए इन क्षेत्रों के लिए विशेष शिक्षक भर्ती चलाए बिना विद्यालयों में शिक्षक भेजना अब मुमकिन नहीं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनके द्वारा उठाए गए मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

छात्र-छात्राओं को निवेश की बारिकियों के बारे में बताया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के द्वारा निवेश सप्ताह के अंतर्गत शेयर बाजार में निवेश कैसे करें एवं म्युचुअल फंड की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर उभान ने की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को निवेश की बारिकियों के बारे में बताया।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज देहरादून से आए रिसोर्स पर्सन संदीप भास्कर एवं विनय प्रताप ने शेयर बाजार में निवेश किस प्रकार करें के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने म्युचुअल फंड एवं उसके प्रकार आदि के बारे में भी जानकारी प्रदान की। विभाग प्रभारी डॉ राजपाल सिंह रावत ने प्राथमिक एवं द्वितीय बाजार के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं द्वारा निवेश के संबंध में अपनी जिज्ञासा रखी। प्रबंधन विभाग के विभाग प्रभारी डॉक्टर ज्योति शैली सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। इसमें महाविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा भी निवेश के संबंध में अपनी समस्या रिसोर्स पर्सन के सामने रखी। उन्होंने सभी की समस्याओं का समाधान किया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉक्टर नताशा, डॉक्टर आराधना, डॉ संजय कुमार, डॉ सोनी तिलारा, अजय ने सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर डॉ भगवती पोखरियाल, डॉ सुधारानी, डॉ संजय मेहर, डॉ विजय भट्ट, डॉ मनोज फोदणी, डॉ सुशील, डॉ रंजीत जोहरी, डॉ जितेंद्र नौटियाल , विशाल त्यागी, जगवेदर पवार, सत्येंद्र चौधरी, भागेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

तिवारी की नेतृत्व क्षमता ने प्रदेश को नई ऊंचाई पर पहुंचाया: शर्मा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि तिवारी की दूरदृष्टि और नेतृत्व क्षमता ने उत्तराखंड के विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया।

आज कांग्रेस भवन में नारायण दत्त तिवारी को उनकी जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर लालचंद शर्मा ने कहा कि तिवारी की दूरदृष्टि और नेतृत्व क्षमता ने उत्तराखंड के विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। उन्होंने राज्य के हर क्षेत्र में प्रगति और समृद्धि लाने का कार्य किया। उनके निधन से देश ने एक महान नेता और मार्गदर्शक खो दिया है, जिसकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। कांग्रेस पार्टी तिवारी के आदर्शों पर चलते हुए उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने तिवारी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने देश और उत्तराखंड राज्य के विकास में अमूल्य योगदान दिया। तिवारी का जीवन समाज सेवा, राजनीति और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा, और उनके प्रयासों ने विकास की नई दिशा तय की। प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी, विकास नेगी ने एनडी तिवारी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। तिवारी के नेतृत्व में देश के कई क्षेत्रों में विकास की बयार बही, विशेष रूप से उत्तराखंड राज्य में उनके कार्यकाल के दौरान कई विकास योजनाओं का क्रियान्वयन हुआ। विकास नेगी ने कहा कि तिवारी ने उत्तराखंड को विकास की दिशा में अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस पार्टी उनके सिद्धांतों और विचारों पर चलते हुए देश और राज्य के विकास के लिए सतत कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव नवीन जोशी, प्रदेश सचिव जगदीश धीमन, दीप बोरा, बलजीत सिंह, अंकित रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

एक नजर

लॉरेंस गैंग से सलमान को फिर मिली धमकी, पांच करोड़ मांगे

हमारे संवाददाता

मुंबई। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से एक्टर सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद जब से इस गैंग ने जिम्मेदारी ली है खान परिवार में और तनाव बढ़ गया है। बाबा सिद्धकी की हत्या के बाद एक बार फिर सलमान को खुली धमकी मिली है। इस बार ट्रैफिक कंट्रोल को भेजे गए मैसेज में धमकी दी गयी है। मैसेज भेजने वाले शख्स ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी बताया है। मिली जानकारी के अनुसार मुंबई ट्रैफिक पुलिस को एक धमकी भरा मैसेज मिला जिसमें लॉरेंस बिश्नोई के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद को निपटाने के लिए सलमान खान से 5 करोड़ रुपये की मांग की गई है। बिश्नोई गिरोह के संदेश में कथित तौर पर चेतावनी दी गई है कि अगर सलमान खान ने पैसे नहीं दिए, तो उनका हश्र पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी से भी बदतर होगा, जिनकी हाल ही में हत्या कर दी गई थी। व्हाट्सएप के जरिए दी गई धमकी ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है. संदेश में साफ चेतावनी दी गई है, 'इसे हल्के में न लें अगर सलमान खान जिंदा रहना चाहते हैं और लॉरेंस बिश्नोई से अपनी दुश्मनी खत्म करना चाहते हैं तो उन्हें 5 करोड़ रुपये देने होंगे. अगर नहीं तो उनका हश्र बाबा सिद्दीकी से भी बुरा होगा।

फैक्ट्री का स्क्रैप बेचने के नाम पर ठगे 25 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। राजीव नगर नेहरू ग्राम निवासी मुजीबुर रहमान ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह तथा उसके सहयोगी स्क्रेप को खरीदने बेचने का काम करते है, इसी क्रम में उन्हें बताया गया कि प्रेमनगर स्थित अमिताभ टैक्सटाईल मिल की फैक्ट्री जो काफी समय से बन्द पडी है उस फैक्ट्री का शेड बिल्डिंग व समस्त मशीनरी बिक रही है। वह प्रेमनगर पहुंचे तो वहां पर अभिताभ टैक्सटाईल मिल के कार्यालय में जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष जो अपना नाम हरबीर सिंह निवासी- बुलन्दशहर बता रहे थे, मिले उन्होने अपने एक साथी मलिक निवासी सेलाकुई को बोला कि ताला खोलकर इनको फैक्ट्री का सारा सामान अन्दर बाहर से दिखा दो तथा इन्होने बताया कि यह सम्पत्ति इन्होने मूल मालिकों से ले ली है तथा अब यह इसकी फैक्ट्री का शेड तथा सामान बेच रहे है। तथा इसके बाद यहां पर प्लाटिंग की जायेगी। अगले दिन प्रेमनगर पहुंचे तो वहां पर हरबीर सिंह के साथ एक महिला और थी जिसने अपना नाम आशा देवी निवासी राजेश्वर नगर सहस्त्रधारा रोड बताया। इस पर उन्होंने इनसे स्क्रेप का सौदा करना चाहा। इन तीनों ने हमने तीन करोड रुपये मांगे तथा सौदा दो करोड सत्तर लाख रुपये में तय हो गया। उनके द्वारा 25 लाख रुपये अदा किये गये। लगभग एक वर्ष बीत जाने पर उन्होने हरबीर सिंह व आशा देवी से अपने पैसे लौटाने को कहा तो दोनों इस बात पर एक दूसरे पर टालने लगे तथा हमारा फोन उठाना भी बंद कर दिया। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त लोगो ने उनके साथ धोखाधडी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्य सचिव रतूड़ी ने नवनिर्मित उत्तराखण्ड निवास का दौरा किया

संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने नई दिल्ली स्थित नवनिर्मित उत्तराखण्ड निवास का दौरा करते हुए निर्देश दिये कि 6 नवम्बर तक इसका शुभारम्भ हो जाना चाहिए। आज यहां उत्तराखण्ड की मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने नई दिल्ली स्थित नवनिर्मित उत्तराखण्ड निवास का दौरा किया। इस दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस का विशेषरूप से भव्य आयोजन किया जाना है, जिसकी शुरूआत नई दिल्ली में उत्तराखण्ड निवास के शुभारम्भ, दिल्ली में रहने वाले विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत उत्तराखण्ड मूल के अधिकारियों, कार्मिकों व प्रवासियों की भागीदारी से आयोजित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड निवास के शुभारम्भ तैयारी के बारे में कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से जानकारी ली और उन्होंने कार्यक्रम के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान सचिव ऊर्जा डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम, परियोजना प्रबंधक राकेश चन्द तिवारी, योगेश कुमार, सहायक अभियन्ता प्रमोद कुमार कोठियाल, उत्तराखण्ड सदन के विशेष कार्याधिकारी रंजन मिश्रा सहित कार्यदायी संस्था के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

तेंदुए के अलग-अलग हमलों में दो बच्चों की मौत

हमारे संवाददाता

बागेश्वर/उधमसिंहनगर। मौसम में बदलाव आते ही एक बार फिर तेदुओं का आतंक बढ़ गया है। बीते रोज कुमांऊ मण्डल के अलग-अलग जिलों में तेदुए के हमले में दो बच्चों की जान चली गयी। सूचना मिलने पर वन विभाग व पुलिस टीमों ने मौके पर पहुंच कर आक्रोशित क्षेत्रवासियों को समझाया और अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बागेश्वर जिले की कांडा तहसील धरमघर वन रेंज के औलानी गांव निवासी रवि उप्रेती की तीन वर्षीय बेटी योगिता उर्फ भूमिका बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे अपनी दादी कला उप्रेती के साथ खेल रही थी। साथ ही उसका छोटा भाई शौर्य भी था। तभी तेंदुए ने हमला कर दिया और योगिता को उठा ले गया। घटना के तुरंत बाद परिजन और ग्रामीणों शोर मचाते हुए दौड़े तो तेंदुआ बच्ची को कुछ दूरी पर छोड़कर जंगल की ओर भाग गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी

थी। ग्राम प्रधान गीता देवी ने बताया कि तेंदुए ने मासूम के गले व सिर पर गहरे जख्म कर दिए थे। ग्रामीणों ने तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग की है। ध्रुव सिंह मार्तोलिया डीएफओ बागेश्वर ने बताया घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की चार टीमों को मौके पर भेजा गया है मुख्य वन जीव प्रतिपालक उत्तराखंड से पिंजरा लगाने और तेंदुए को ट्रेंकुलाइज करने की अनुमति मिल गई है। वन विभाग की टीम में घटनास्थल के आसपास इलाके में गश्त कर रही हैं।

वहीं तेदुंए के हमले की दूसरी घटना जनपद ऊधमसिंह नगर में सामने आयी है। यहां नानकमत्ता क्षेत्र में रनसाली रेंज के प्लाट संख्या चार के समीप ग्राम बिचवा भूड़ निवासी कुलविंदर सिंह उर्फ किंदा खेती-बाड़ी करते हैं। बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे उनका 13 वर्षीय बेटा गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी घर के आंगन में लगे नल में हाथ धो रहा था। तभी गन्ने के खेत से निकला तेंदुआ गोपी की गर्दन पकड़कर खींच ले गया। माता-पिता और परिजनों के शोर मचाने पर आसपास काम कर रहे ग्रामीण खेत की ओर दौड़ पड़े। इस पर तेंदुआ जंगल में भाग गया। गंभीर रूप से घायल गोपी को सितारगंज उपजिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टर रविंद्र सिंह ने बताया कि किशोर के गले की नलियां फट गई थीं, जिससे ज्यादा रक्त बह गया। घटना से मां मनजीत कौर, छोटे भाई अर्शदीप सिंह व लवप्रीत सिंह व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गोपी ग्राम बिचवा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा छह का छात्र था।

-आईआईटी की मैस में चूहे मिलने का मामला-

खाद्य सुरक्षा विभाग टीम ने की पड़ताल, गंदगी मिली जुर्माना ठोका

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। आईआईटी की राधा-कृष्ण मैस में चूहों के मिलने के मामले में आज खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। वहीं गंदगी मिलने पर मैस संचालक को नोटिस थमाया गया। आईआईटी अब चूहों को पकड़ने के लिए खास तरह का चूहा ट्रैकर लगायेगी।

आईआईटी रुड़की की राधा कृष्ण मेस में चूहे निकलने के बाद आज खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम जांच पड़ताल के लिए संस्थान पहुंची। टीम खाद्य सामग्री की जांच पड़ताल में जुटी है। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि खाने और अन्य खाद्य सामग्री के सैंपल लिए गए हैं। सात सैंपल यहां से लिए गए है। इसके अलावा गंदगी मिलने पर मैस संचालक को नोटिस भी थमा दिया गया है।

बता दें कि बीते रोज मैस में कढ़ाई और चावल व राशन में चूहे कूदते दिखे थे। यह सब देखने के बाद छात्रों ने मेस में हंगामा कर दिया। यही नहीं, 400 से अधिक छात्रों को भूखा भी रहना पड़ा। सोशल मीडिया पर अब इसकी फोटो और वीडियो वायरल हो रहे हैं। वहीं, शाम को मेस संचालक की ओर से दूसरी जगह से खाना मंगाकर बच्चों को परोसा गया।

सेटेलाइट पार्किंग की दिशा में बढ़ रहे कदमः डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने भविष्य की जरूरत दृष्टिगत रखते हुए सेटेलाइट पार्किंग की दिशा में कार्य योजना पर कार्य करने के दिए निर्देश।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने मसूरी में यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था को लेकर संयुक्त निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने भविष्य की जरूरत दृष्टिगत रखते हुए सेटेलाइट पार्किंग की दिशा में कार्य योजना पर कार्य करने के दिए निर्देश।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मॉल रोड पर निर्धारित समय पर ही वाहनों को आवागमन की अनुमति दी जाए इसके लिए एसडीएम मसूरी को समय सारणी निर्धारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शटल सेवा संचालन हेतु प्रभावी कार्यवाही करें, शटल सेवा के लिए निर्धारित चार्ज रखें, गैप फंडिंग प्रशासन द्वारा की जाएगी। टैक्सी यूनियन वाले भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकते हैं। डीएम ने किंग्रेग पार्किंग का निरीक्षण किया, डीएम ने एक सफ्ताह के भीतर पार्किंग व्यवस्था सुचारू करने तथा शौचालय बनाने के निर्देश दिए। डीएम ने हाथीपांव रोड पर निरीक्षण के पार्किंग की संभावना देखी, प्रभावी प्लान तैयार करने के निर्देश। डीएम ने नगर निकाय के अधिकारियों को टोल पर पीओएस मशीन, गोल्फ कार्ड लगाने के निर्देश। डीएम ने पर्यटकों की सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरे लगाए, नहीं होगी धन की कमी डीएम ने पुलिस के अधिकारियों को निर्देश। साथ ही यातायात में सुधार हेतु उपकरण आदि की मांग के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस

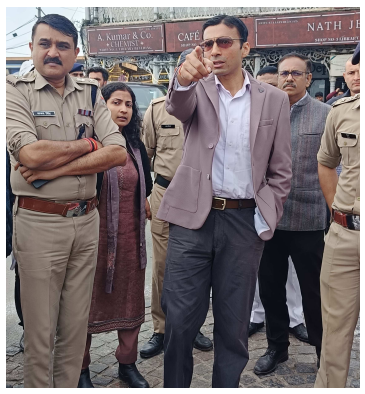

मॉल रोड पर निर्धारित समय पर ही वाहनों को मिलेगी आवागमन की अनुमति

अधीक्षक अजय सिंह, एसडीएम मसूरी अनामिका, एसएसपी यातायात मुकेश कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी मसूरी अनुज कुमार, अधि. अभि. लोनिवि जितेंद्र कुमार त्रिपाठी, आरटीओ शैलेश तिवारी आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।